सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, बिहार

सत्यमेव जयते

प्रेस विज्ञप्ति

संख्या– 281
03/04/2017

मुख्यमंत्री के लोक संवाद कार्यक्रम का किया गया आयोजन

पटना, 03 अप्रैल 2017 :– मुख्यमंत्री सचिवालय स्थित संवाद सभाकक्ष में आज लोक संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आज आयोजित लोक संवाद कार्यक्रम सिर्फ महिलाओं के लिये था। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों से संबंधित तेरह महिलाओं द्वारा मुख्यमंत्री को अपना सुझाव दिया गया। महिलाओं द्वारा पशुपालन एवं मत्स्य संसाधन, कला, संस्कृति एवं युवा विभाग, शिक्षा, स्वास्थ्य, भवन निर्माण, समाज कल्याण, श्रम संसाधन, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण, ग्रामीण विकास, सूचना एवं प्रावैधिकी, उद्योग विभाग से संबंधित सुझाव दिये गये।

आयोजित लोक संवाद कार्यक्रम में पटना की डॉ0 एम0 कुमारी, सहरसा की रिचा कुमारी, पटना की डॉ0 रिचा, खगौल दानापुर की डॉ0 सुष्मिता तिवारी, नयाचक पटना की सुनीता कुमारी, खुसरूपुर पटना की आस्था परिमल, कुर्जी मोड़ पटना की अमृता कुमारी, मुजफ्फरपुर की रेखा जायसवाल, शेखपुरा पटना की आशा चौधरी, राजाबाजार पटना की गुंजन पाण्डेय, राजाबाजार पटना की अंकिता, अनिशाबाद पटना की शक्ति प्रिया, बेगूसराय की अंशु भारद्वाज ने अपने–अपने सुझाव एवं राय मुख्यमंत्री को दिये। प्राप्त सुझाव एवं राय पर संबंधित विभाग के प्रधान सचिव/सचिव ने वस्तुस्थिति को स्पष्ट किया। महिलाओं से प्राप्त सुझाव एवं राय पर मुख्यमंत्री ने संबंधित विभागों के प्रधान सचिव/सचिव को कार्रवाई करने हेतु निर्देशित किया।

आयोजित लोक संवाद कार्यक्रम में ग्रामीण विकास मंत्री श्री श्रवण कुमार, पशु एवं मत्स्य संसाधन मंत्री श्री अवधेश कुमार सिंह, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण मंत्री श्रीकृष्णनंदन प्रसाद वर्मा, उद्योग मंत्री श्री जय कुमार सिंह, कला, संस्कृति एवं युवा विभाग के मंत्री श्री शिवचन्द्र राम, समाज कल्याण मंत्री श्रीमती मंजू वर्मा, श्रम संसाधन मंत्री श्री विजय प्रकाश, मुख्य सचिव श्री अंजनी कुमार सिंह, पुलिस महानिदेशक श्री पी0के0 ठाकुर, प्रधान सचिव मंत्रिमण्डल समन्वय श्री ब्रजेश मेहरोत्रा, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री चंचल कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव श्री अतीश चन्द्रा, मुख्यमंत्री के सचिव श्री मनीष कुमार वर्मा सहित संबंधित विभागों के प्रधान सचिव/सचिव उपस्थित थे।

आयोजित लोक संवाद कार्यक्रम के पश्चात मुख्यमंत्री ने मीडिया प्रतिनिधियों द्वारा पॉच राज्यों में हुये विधानसभा चुनाव से संबंधित पूछे गये प्रश्न के उत्तर में मुख्यमंत्री ने कहा कि चुनाव तो हर साल कहीं न कहीं होता है। भाजपा तो दिल्ली में हारी, बिहार में हारी थी। पॉच राज्यों के चुनाव में दो जगह सफलता मिली, पंजाब में हार गये, गोवा में लार्जेस्ट पार्टी कॉग्रेस थी। मणिपुर में भी लार्जेस्ट पार्टी कॉग्रेस थी। यह बात अलग है कि जोड़–तोड़ की बदौलत सरकार बनाने में कामयाब हो गये लेकिन जो जनता का बहुमत है अगर उसके हिसाब से आप देखेंगे तो एक राज्य में भारी बहुमत से कॉग्रेस की सरकार बनी और दो राज्यों में सबसे बड़ी पार्टी उभरकर सामने आयी। अलग–अलग राज्यों में अलग–अलग परिस्थिति होती है। एक बात तो दिखायी पड़ती है कि जहॉ विपक्ष में एकता होती है, वहॉ बेहतर परिणाम आते हैं। जो पार्टी जनता के बीच में उभरती है, उसको सफलता मिलती है। जैसे दिल्ली में आम आदमी पार्टी को सफलता मिली, पंजाब में कॉग्रेस को सफलता मिली। जहॉ तक यू0पी0 का प्रश्न है तो अगर यू0पी0 में व्यापक विपक्षी एकता होती तो परिणाम कुछ और आता। सपा–कॉग्रेस गठबंधन को जितना वोट आया और बसपा को जितना वोट आया उसको अगर मिला दिया जाय तो भाजपा और उनके सहयोगियों को जितना वोट आया उससे दस प्रतिशत ज्यादा वोट है इसलिये विपक्ष में एकता भी एक बड़ी चीज होती है।

उत्तर प्रदेश में शराबबंदी से संबंधित पूछे गये प्रश्न के उतर में मुख्यमंत्री ने कहा कि शराब को पूरे तौर से बंद किये बिना कोई रास्ता नहीं है। शराबबंदी का जो कदम बिहार ने उठाया है, उसका स्वागत केवल बिहार में ही नहीं बल्कि देश के दूसरे प्रांतों में भी हो रहा है। धीरे–धीरे लोगों को इस बात का एहसास हो रहा है। बहुत जगह यह कहा जा रहा है कि दुकानों की संख्या घटा देंगे, मेरी समझ में यह स्लो रिस्पांस है। सैद्धांतिक तौर पर लोगों ने यह मान लिया है कि अब शराब को बढ़ावा देना संभव नहीं है। शराब के खिलाफ जनमत है और लोगों को इस बात का एहसास हो गया है। हाईवे पर 500 मीटर के दायरे में शराब की दुकानों को हटाने का माननीय सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के बाद अगर राज्य सरकारें हाइवे पर खुली हुयी शराब की दुकानों को शहर/गॉव के अन्दर ले जायेंगी तो इससे कोई समाधान नहीं होगा इसलिये उन्हें शराबबंदी के बारे में सोचना चाहिये। हमें बिहार के बाहर जहॉ भी जाने का मौका मिला है, वहॉ पर हमने जनभावना देखी है कि लोग शराब के खिलाफ हैं और यही कारण है कि यू0पी0 और मध्यप्रदेश में भी लोग शराबबंदी के पक्ष में आवाज बुलंद करने लगे हैं। उन्होंने कहा कि लोगों के मन में एक बात आती है कि शराब बंद कर देंगे तो एक्साईज टैक्स में बहुत बड़ी कमी आ जायेगी तो उनके सामने बिहार उदाहरण है। बिहार में 5 हजार करोड़ रूपये की आमदनी शराब पर लगाये जा रहे वैट एवं एक्साइज ड्यूटी से होती थी। शराबबंदी के बाद इस वर्ष जो अभी तक का ऑकड़ा आया है वैट और अन्य प्रकार के टैक्स के संबंध में उससे यह पता चलता है कि जितना रेवेन्यू पिछले साल 2015–16 में आया था लगभग उतना ही 2016–17 में भी आया है। नोटबंदी और शराबबंदी से जो असर हुआ, उसके बाद भी अगर हम मिलाते हैं तो लगभग 2015–16 के बराबर ही शराबबंदी के बाद 2016–17 में रेवेन्यू की आमदनी हुयी है। अभी इसमें और बढ़ोतरी होने की उम्मीद है इसलिये जिनके भी मन में भ्रम है कि शराबबंदी के बाद राजस्व की हानि होगी तो मैं कहता हूॅ कि शुरूआती सालों में आप लगभग बराबर पर रहेंगे और आने वालो सालों में रेवेन्यू बढ़ेगा। शराबबंदी से सरकार के खजाने में आमदनी घटती जरूर है लेकिन लोगों का जो पैसा शराब पर बर्बाद हो रहा था, वह बच जाता है और वह दूसरे अच्छे कामों में लगता है। शराबबंदी के बाद जब मार्केट का सर्वेक्षण किया तो उसमें पाया गया कि कई चीजों की बिक्री बढ़ी है। हॉजरी, रेडीमेड गार्मेंट्स, मिल्क, मिल्क प्रोडक्टस, स्वीट्स, सिलाई मशीन, बिजली के उपकरण, वाहन, फर्नीचर, हर क्षेत्र में मार्केट में बिक्री बढ़ी है। जो लोग सरकारी राजस्व का नुकसान समझते हैं, वे भूल जाते हैं कि लोगों का कितना बड़ा नुकसान होने से बच रहा है। हमारे यहॉ कम से कम 10 हजार करोड़ रूपये लोग शराब में गंवा रहे थे, ये दस हजार करोड़ रूपये तो लोगों के बच गये। जिस राज्य में 10 हजार करोड़ रूपये शराब से राजस्व की आमदनी हो रही है, उस राज्य में लोग 20 हजार करोड़ रूपये गंवा रहे होंगे। अगर लोगों का पैसा बच जायेगा तो पैसा अच्छी जगह खर्च होगा। मार्केट का विस्तार होगा, इकोनॉमी में इम्प्रूवमेंट आयेगी। यह लोगों का केवल एक भ्रम है कि शराब बंद करने से राजस्व की हानि होगी। बिहार उनके सामने एक उदाहरण है। मेरी सभी राज्य सरकारों से यही अपील है कि वे शराबबंदी पर गौर करें। शराबबंदी से लोगों के लाइफ स्टाईल में परिवर्तन आयेगा, लोगों के सोच और व्यवहार में परिवर्तन आयेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने उतर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव को भी सलाह दिया था कि शराबबंदी लागू करिये, परन्तु उस समय एक बात छेड़ दी गयी थी कि वहॉ गन्ना का उत्पादन ज्यादा है और सुगर मिलों की संख्या भी अधिक है तो उस परिस्थिति में जो स्प्रीट बनता है, उसका क्या होगा तो हमने उस संबंध में भी समझाया था कि उससे एथेनॉल बनेगा। हमने जब इसे बिहार में लागू किया तो सभी सुगर मिलों की आमदनी बढ़ गयी। सुगर मिलों को जितना स्प्रीट से आमदनी होती थी, उससे कहीं ज्यादा एथेनॉल से आमदनी हो रही है। एथेनॉल की मॉग है और वह पर्यावरण के लिये भी उचित है।

अवैध बूचड़खाने बंद करने के संबंध में पूछे गये प्रश्न पर मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार में अवैध बूचड़खाने न के बराबर है। हमारे यहॉ 1955 से कानून बना हुआ है। अवैध बूचड़खाने चलाने की अनुमति नहीं है। यह एक अनावश्यक मुद्दा है, जिसे उठाया जा रहा है। सही मुद्दों पर बहस होनी चाहिये। रोजगार उपलब्धता एवं बढ़ रही कृषि संकट जैसे मुद्दों पर बहस होनी चाहिये।

उन्होंने कहा कि असल मुद्दों से ध्यान हटाने के लिये यह सब चलता रहता है परंतु यह ज्यादा दिनों तक नहीं चलेगा। उन्होंने कहा कि अगर मुद्दा उठाना है तो शराबबंदी का उठाइये। कोई भी धर्म शराब पीने को नहीं कहता है। उन्होंने कहा कि बापू के चम्पारण सत्याग्रह के सौंवे साल में केन्द्र सरकार शराबबंदी को पूरे देश में लागू करे। उन्होंने कहा कि हमने नोटबंदी का समर्थन किया था। नोटबंदी के साथ–साथ बेनामी संपति के खिलाफ भी कार्रवाई होनी चाहिये। बेनामी संपति को सरकार को जब्त कर लेना चाहिये। विपक्ष में एकता के संदर्भ में पूछे गये सवाल पर मुख्यमंत्री ने कहा कि सम्पूर्ण विपक्ष को एकजुट होना चाहिये और जनहित तथा राष्ट्रहित के मुद्दों को लेकर आगे चलना चाहिये।

चम्पारण सत्याग्रह के शताब्दी समारोह के संदर्भ में पूछे गये प्रश्न पर मुख्यमंत्री ने कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गॉधी के चम्पारण सत्याग्रह के सौंवे साल के अवसर पर एक साल तक विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जायेगा, इसकी शुरूआत 10 अप्रैल से होगी। 10 एवं 11 अप्रैल 2017 को पटना में गॉधी विचारकों का समागम और राष्ट्रीय विमर्श होगा। बड़े–बड़े गॉधी विचारक आ रहे हैं और आकर पटना में चर्चा करेंगे। 11 अप्रैल को मुजफ्फरपुर में भी कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। 18 अप्रैल 2017 को मोतिहारी से स्मृति यात्रा शुरू होगी। 17 अप्रैल को पटना में देश भर के स्वतंत्रता सेनानियों को सम्मानित करेंगे। उन्होंने कहा कि हमारा उद्देश्य है कि गॉधी जी के विचारों को घर–घर तक पहुॅचाना। कहानी एवं फिल्म के माध्यम से लोगों तथा नई पीढ़ी के बीच में गॉधी जी के विचारों को पहुॅचायेंगे। उन्होंने कहा कि इसके साथ–साथ गॉधी जी जहॉ–जहॉ गये थे, उन सभी स्थानों को विकसित किया जायेगा। गॉधी सर्किट को जोड़ने की कोशिश की जायेगी। उन्होंने कहा कि लोग गॉधी जी को जानते हैं परंतु उनके विचारों को आत्मसात नहीं कर पाते हैं। उन्होंने कहा कि अगर 10 प्रतिशत नई पीढ़ी भी गॉधी जी के विचारों को आत्मसात कर ले तो 10 से 15 साल में समाज बदल जायेगा।

एम0सी0डी0 चुनाव के संदर्भ में पूछे गये प्रश्न के उतर में मुख्यमंत्री ने कहा कि यह कोई महत्वपूर्ण चुनाव नहीं है। इससे आप महागठबंधन की एकता को नहीं जोड़ें, यह एक स्थानीय चुनाव है। ई0वी0एम0 में छेड़छाड़ के संदर्भ में पूछे गये प्रश्न पर मुख्यमंत्री ने कहा कि अगर कहीं आशंका है तो उसका समाधान करना चाहिये। जादवपुर विश्वविद्यालय की घटना पर पूछे गये प्रश्न के उतर में मुख्यमंत्री ने कहा कि इस देश की मूल विचारधारा सदभावना का, सहिष्णुता का है। समाज में जितनी बुराइयॉ हैं, उससे आजादी जरूरी है।

****